8 जून, 2010 को 1430-1600 बजे प्रधानमंत्री श्री जेन फिशर द्वारा आयोजित वर्किंग लंच के मौके पर माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी की टिप्पणियां।

महामहिम

विशिष्ट अतिथिगण, देवियो और सज्जनो,

मुझे आज यहां पर उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है। आपके भव्य आतिथ्य और हमारे स्वागत में कहे गए हार्दिक उद्‌गारों से मैं अभिभूत हूँ।

हमारे रिश्ते हमारी आजादी से भी पहले से कायम हैं। हमारे राष्ट्रीय कवि टैगोर यहां दो बार अर्थात् 1921 और 1926 में आए थे और चेक भाषा में उनकी रचनाओं के अनुवाद से उनका भारत के साथ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध और गहरा हुआ।

चेक सरकार द्वारा हिटलर का प्रतिरोध करने में चेक सरकार के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए आपके इतिहास के महत्वपूर्ण समय में जवाहरलाल नेहरू ने 1938 में आपके देश की यात्रा की थी। उन्होंने अपने अखबार में अपनी इस यात्रा के बारे में लिखा भी था।

प्राग यूरोप का बौद्धिक केन्द्र रहा है। आपकी सांस्कृतिक परंपरा भी काफी समृद्ध है। इसी कारण आपकी राजधानी वैश्विक रूप में महत्वपूर्ण समारोहों के आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण केन्द्र है।

आधुनिक समय में हमारे आर्थिक संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं जिससे दोनों देशों के लोगों को लाभ हो रहा है। चेक इंजीनियरों ने भारत के औद्योगीकरण में योगदान

किया है और बाटा, येज्डी तथा स्कोडा भारत में जानेमाने ब्रांड हैं। अनेक भारतीय कंपनियां चेक गणराज्य में विभिन्न क्षेत्रों, जैसे, सॉफ्टवेयर, ट्रक निर्माण, औषधि उत्पादन तथा वस्त्र उत्पादन के क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

हमारे देश लोकतांत्रिक एवं संसदीय शासन व्यवस्था, मानवाधिकार और बहुलवाद की परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। मेरे शिष्टमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय संसद के सदस्य शामिल हैं। वे भारत की विविधता और एकता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हमने संसदीय लोकतंत्र के ढांचे के भीतर सर्वसमावेशी आर्थिक विकास हासिल करने का प्रयास किया है ताकि देश की बढ़ती हुई समृद्धि में सभी वर्गों और समूहों की भागीदारी हो।

हमारा मानना है कि चेक प्रौद्योगिकी और भारत के बढ़ते हुए बाजार में एक आदर्श समन्वय है। साथ ही हमारे विश्वविद्यालयों और सांस्कृतिक संस्थानों के बीच सहयोग की भी संभावना है।

मैं दोनों देशों की जनता और सरकारों के बीच संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए महामहिम के साथ काम करने की अपेक्षा रखता हूँ।